एक दीप मेरे श्याम का | By Mayank Gupta

डंका बाज रहा कलयुग में, घर-घर बाबा श्याम का
आओ मिलकर सभी जलाये, "एक दीप मेरे श्याम का"

खाटू की पावन गलियों में, गूंज रहा जयकारा है
शीश का दानी लखदातारी, बाबा श्याम हमारा है
दूर करे जो अंध्यारे को, श्याम नाम बड़े काम का
आओ मिलकर सभी जलाये, "एक दीप मेरे श्याम का"

जब भी करी फरियाद श्याम से, लीले चढ़कर आया है
भक्तों की नैया को मेरे श्याम, ने पार लगाया है
उसकी नैया कभी ना डूबे, जिसे सहारा श्याम का
आओ मिलकर सभी जलाये, "एक दीप मेरे श्याम का"

आता जो भी श्याम शरण मे, होता भव से पार है
हारे का ये साथी बाबा, सब का खेवनहार है
कहता प्रेमी श्याम बिना ये, जीवन है किस काम का
आओ मिलकर सभी जलाये, "एक दीप मेरे श्याम का"

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%aa-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-mayank-gupta/